

## Obsah

|   |    |
|---|----|
| Ve stínu hraničních kamenů.....                 | 11 |
| Ozvěny těch dnů.....                            | 14 |
| Vánoční vráska.....                             | 17 |
| Dopis, který se cestou obrátil proti větru..... | 18 |
| Ještě se zkusiš nadchnout.....                  | 21 |
| Zlomky.....                                     | 23 |
| Zajícova smrt.....                              | 24 |
| * * * (I neštěstí...).....                      | 27 |
| Teritorium noci.....                            | 28 |
| Krajina ztichne najednou.....                   | 31 |
| Mlýn na Ovčárně.....                            | 33 |
| Monolog.....                                    | 35 |
| Jaro s bolestmi žaludku.....                    | 37 |
| Tys plná dešťového jara.....                    | 38 |
| Zase jen sám sebe poznává.....                  | 40 |
| Podvečer.....                                   | 43 |
| Útěk času.....                                  | 44 |
| Nostalgická stupnice.....                       | 46 |
| Smutno mi.....                                  | 49 |
| Opustím tebe.....                               | 50 |
| Deště.....                                      | 53 |
| Starosti.....                                   | 54 |
| Úzkost.....                                     | 57 |
| Zavírají už okna.....                           | 58 |
| Nicota k počtu.....                             | 61 |
| Ve spleti větru.....                            | 63 |
| Den na sklonku.....                             | 64 |
| U hraničních kamenů.....                        | 66 |
| K udávení prší.....                             | 68 |
| Karta.....                                      | 70 |
| Nazdvihli jsme plášt' samoty.....               | 72 |
| Zakázané slovo.....                             | 74 |
| Hraniční kameny.....                            | 76 |

|  |     |
|--|-----|
| Ticho.....                                   | 78  |
| Dárky z nouze.....                           | 80  |
| Bolest na koncích světa.....                 | 82  |
| Dary.....                                    | 84  |
| Schizofrenický průnik Prahou.....            | 86  |
| Podzim je plný obrazů, pozdravů.....         | 88  |
| Dřív, než jsem spatřil moře od Ahaswer.....  | 90  |
| Čtvrcení dešťů.....                          | 92  |
| Na podzim.....                               | 94  |
| Až písek do očí.....                         | 96  |
| Noc.....                                     | 98  |
| Stíny.....                                   | 100 |
| V tichu.....                                 | 102 |
| Spatřil jsem hvězdu.....                     | 104 |
| Ve stínu hraničních kamenů temná je noc..... | 106 |